तेरे मन मंदिर में राम

कहाँ तू खोज रहा रे प्राणी ,
तेरे मन मन्दिर में राम।
नहीं अवध नहिं गोकुल में प्रभु ,
नहीं द्वारका धाम।
तेरे मन मन्दिर में राम।
कहाँ तू खोज रहा.....

मन में तेरे मैल जमी है ,
अँखियन मोह की पट्टी पड़ी है ,
दीखत नाहीं राम।
तेरे मन मन्दिर में राम।
कहाँ तू खोज रहा.....

एक बार तू प्रभु को भजले ,
मन निर्मल को जाए ,
धोले मन का मैल रे प्राणी ,
ले कर हरि का नाम।
तेरे मन मन्दिर में राम।
कहाँ तू खोज रहा.....

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/25827/title/tere-man-mandir-mein-Ram

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |